प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत व्याख्यान माला का आयोजन सम्पन्न

पंतनगर। 14 नवम्बर 2022। विश्वविद्यालय में स्थापना सप्ताह के चौथे दिवस के अवसर पर अठारहवां भारतीय रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से यूनिवर्सिटी सेंटर (नाहेप भवन) के सेमीनार हाल में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में पदमश्री एवं पदमभूषण डा. अनिल प्रकाश जोशी द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस व्याख्यान में डा. जोशी द्वारा शिक्षकों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए पर्यावरण से होने वाले नुकसान एवं उनके निदान के बारे में बताया। डा. जोशी ने कहा कि पर्यावरण विकास के नाम पर मानव किस तरह खुद अपने कर्मो से अपना विनाश कर रहा है। जब पेड़ कटेंगे और पर्यावरण से खिलवाड होगा तो ग्लेशियर पिघलेंगे, धरती पर बाढ़ आएगी और नदियां सूखने लगेगी अतः ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को न्यूनतम करना विश्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण लक्ष्य है वजह स्पष्ट है कि अधिकांश लोग अपने दैनिक जीवन के संघर्षो और बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में बुरी तरह उलझे हुए है। विश्व स्तर की योजना तौर की जाए जिसमें विश्व के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य को मान्यता देते हुए पर्यावरण के विनाश से होने वाले नुकसान की भरपाई समायोजी तकनीकी से किया जा सकें।

कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान ने विश्वविद्यालय स्तर से पर्यावरण संरक्षण पर उठाये जाने वाले राज्य एवं देशहित में कार्यक्रमों में पूर्ण सहयोग देने की बात कहीं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण का संरक्षण किया जा सके एवं पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाले नुकसान के प्रभाव को रोका जा सकें। अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डा. संदीप अरोरा एवं विभागाध्यक्ष पर्यावरण विभाग, डा. आर.के. श्रीवास्तव द्वारा अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण हेतु विचार व्यक्त किये गये एवं भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस अवसर विश्वविद्यालय कुलसचिव एवं सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, वैज्ञानिक, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में व्याख्यान देते पदमश्री एवं पदमभूषण, डा. अनिल प्रकाश जोशी।

निदेशक संचार